

अमरकंटक है रेवा जी को धाम SSSS

अमरकंटक है रेवा जी को धाम

दयालु मेरी सागर में मिली

मन को भावे SSSS उद्गम तेरा SSSS 11211

धारा दूधन की SSS

धारा दूधन की बहाली चली SSS

दयालु मेरी

ऊँचे पहाड़ तुम्हें SSS रोक नहीं पाये SSS 11211

फोड़े पर्वत SSS

फोड़े पर्वत बनाई गली SSS

दयालु मेरी

घाटन-घाट SSS मनोहर लागें SSS 11211

लागी फीकी मोहे SSS

लगी फीकी मोहे सोने की उली SSS

दयालु मेरी



घोर पाप की नाशनहारी SSSS ॥२॥

इनके दर्शन से SSS

इनके दर्शन से विपदा टली SSSS

दयालु मेरी---

रेखा झूले, लहरों को झुलना SSSS ॥२॥

खिली करुणा से SSS

खिली करुणा से सुरझाई कली SSSS

दयालु मेरी---

"श्री बाबा श्री" चरण गहं तेरे SSSS ॥२॥

मेरी मैया है SSS

मेरी मैया है- जग से भली SSSS

दयालु मेरी---

अमरकंठक है-----